लिखता था जय श्री श्याम वो ही काम आ गया

विपदा आने वाली थी,
पर श्याम आ गया,
लिखता था जय श्री श्याम,
वो ही काम आ गया ॥

किये कौन से भले करम थे,
बीते जन्मो में मैंने,
श्री श्याम कृपालु उसका,
फल आये मुझको देने,
मेरी परीक्षा का जैसे,
परिणाम आ गया,
लिखता था जय श्री श्याम,
वो ही काम आ गया ॥

मेरे सारे संकट काटे,
मेरे बिगड़े काम बनाये,
मेरी जब जब नैया डोले,
ये आकर पार लगाए,
मेरी श्रद्धा भक्ति का,
ईनाम आ गया,
लिखता था जय श्री श्याम,
वो ही काम आ गया ॥

जब जब मैंने सोचा है,
उसके दर पर जाऊँगा,
इस मन की व्यथा सुना कर,
उसकी कृपा पाऊंगा,
उससे पहले श्याम का,
पैगाम आ गया,
लिखता था जय श्री श्याम,
वो ही काम आ गया,
विपदा आने वाली थी,
पर श्याम आ गया,
लिखता था जय श्री श्याम,
वो ही काम आ गया ॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23706/title/likhta-tha-jai-shree-shyam-vo-hee-kaam-aa-gya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |